

## डॉ चंचल शर्मा से जानें कब मिलेगी निःसंतानता से आजादी

By : Editor Published On : 5 Aug, 2021 09:00 AM IST



- डॉ चंचल शर्मा -

74 साल पहले हमने गुलामी, अत्याचार और अन्याय से आजादी हासिल की थी। बरसों बाद, हम अभी भी गुलाम हो रहे हैं! हम अपनी आधुनिक लेकिन दुर्बल जीवन शैली के गुलाम होते जा रहे हैं। हम चूहे की दौड़ में इतने मशगूल हो गए हैं कि हमारे लिए अस्वास्थ्यकर प्रथाएं एक आदर्श बन गई हैं। आज हम आयुर्वेद और योग-व्यायाम से दूरी बनाकर अपने जीवन को खतरे में डाल रहे हैं।

यह स्वतंत्रता दिवस हमें अपने देश की आजादी का जश्न मनाने से ज्यादा कुछ करने दें। आइए हम खुद को खराब जीवनशैली से मुक्त करने का संकल्प लें। 15 अगस्त को हमें आजादी मिली थी और अब हम निःसंतानता से आजादी की जंग जीते तभी हमारा देश आगे बढ़ेगा।

भारत के अधिकांश हिस्सों में, शहरी हो या ग्रामीण, निःसंतानता एक बिल्कुल वर्जित विषय है। कोई इसके बारे में बात नहीं करना चाहता और न ही इस पर चर्चा करना चाहता है। यह ऐसा है जैसे हमारी आबादी को बढ़ाने के लिए हर साल 25 मिलियन बच्चे आसमान से गिरते हैं।

अगर आप इसके बारे में सोचें तो इस चुप्पी ने अविश्वसनीय नुकसान किया है। हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी बढ़ती आबादी है जो उन्हें भोजन, कपड़े और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना बेहद मुश्किल बना देती है, स्वास्थ्य, शिक्षा और नौकरी जैसी विलासिता के बारे में भूल जाते हैं। इसने यौन शिक्षा को गैर-मौजूद बना दिया है जिससे हम यौन संचारित रोगों और विशेष रूप से गर्भावस्था से संबंधित महिलाओं के स्वास्थ्य के मुद्दों के प्रति संवेदनशील हो गए हैं।

क्या है निःसंतानता ?

निःसंतानता एक ऐसी समस्या है गर्भाधान को रोकती है। सामान्य तौर पर, असुरक्षित यौन संबंध के एक वर्ष (या उससे अधिक) या छह महीने के बाद गर्भवती होने में सक्षम नहीं होने पर निःसंतानता को परिभाषित किया जाता है। निःसंतानता उन महिलाओं को भी संदर्भित करता है जो गर्भावस्था को पूरा करने में असमर्थ हैं।

निःसंतानता का कारण क्या है ?

गर्भावस्था होने के लिए, कई जटिल प्रक्रियाओं और कारकों को संरेखित करने की आवश्यकता होती है। एक महिला को एक स्वस्थ अंडे का उत्पादन करना चाहिए और एक पुरुष को स्वस्थ शुक्राणु पैदा करना चाहिए। अनुकूल ग्रीवा द्रव मौजूद होना चाहिए ताकि शुक्राणु योनि से अंडे से मिलने के लिए यात्रा करें, जबकि यह अभी भी फैलोपियन ट्यूब में है। संभोग या गर्भाधान का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक अंडा आम तौर पर केवल 24 घंटे ही जीवित रहता है। एक बार जब शुक्राणु और अंडाणु जुड़ जाते हैं, तो यह एकल कोशिका एक भ्रूण बनने के लिए विभाजित हो जाती है, जिसे बढ़ने से पहले गर्भाशय की परत में ठीक से प्रत्यारोपित करना चाहिए। गर्भाधान के इन नाजुक चरणों में से किसी एक या अधिक के साथ समस्या होने पर जोड़े बांझपन का अनुभव कर सकते हैं।

एक महिला को निःसंतानता का अनुभव कब करती है ?

उम्र एक महिला की प्रजनन क्षमता को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक है। रजोनिवृत्ति से बहुत पहले अर्थात् 30 वर्ष के बाद महिला शरीर की प्रजनन क्षमता धीमी होना शुरू हो जाती है। प्रजनन क्षमता में यह प्राकृतिक गिरावट सभी महिलाओं में होती है, हालांकि यह अलग-अलग महिलाओं के लिए अलग-अलग उम्र में होती है।

बांझपन का एक अन्य सामान्य कारण फैलोपियन ट्यूब या अन्य संरचनात्मक समस्याओं का अवरुद्ध होना है। यह एंडोमेट्रियोसिस, पेल्विक इम्प्लेमेंटरी डिजीज (पीआईडी) या सर्जरी या बार-बार चोट लगने के कारण जख्म के कारण हो सकता है। कुछ महिलाएं अपने प्रजनन अंगों को प्रभावित करने वाली संरचनात्मक असामान्यताओं के साथ पैदा होती हैं जो अंडे को फैलोपियन ट्यूब से नीचे जाने से रोक सकती हैं, बढ़ते भ्रूण को गर्भाशय में प्रत्यारोपित करने से रोक सकती हैं, या अस्थानिक गर्भावस्था के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। गर्भाशय फाइब्रॉएड, जो गर्भाशय में गैर-कैंसरयुक्त वृद्धि हैं, गर्भाशय और/या फैलोपियन ट्यूबों में रुकावटों के साथ-साथ बार-बार होने वाले गर्भपात से भी जुड़े हैं। बांझपन के अन्य संभावित कारणों में प्रतिरक्षा प्रणाली की समस्याएं, गर्भाशय ग्रीवा के तरल पदार्थ के साथ समस्याएं और ल्यूटियल चरण दोष शामिल हैं।

एक पुरुष निःसंतानता का अनुभव कब करता है ?

90 प्रतिशत से अधिक पुरुष बांझपन शुक्राणुओं की संख्या, शुक्राणु गतिशीलता या शुक्राणु आकृति को प्रभावित करने वाले शुक्राणु असामान्यताओं के कारण होता है। पुरुष बांझपन के कुछ अन्य कारण भी हैं -

Varicocele, होने पर पुरुष के अंडकोष पर बढ़े हुए नसों के कारण तापमान बढ़ जाता है जो शुक्राणु की संख्या या आकार को प्रभावित कर सकता है।

शीघ्र स्वलन - जब मूत्राशय की दीवार की मांसपेशियां ठीक से काम नहीं करती हैं और शुक्राणु मूत्रमार्ग से आगे बढ़ने के बजाय मूत्राशय में पीछे की ओर धकेल दिए जाते हैं। यह सर्जरी, रीढ़ की हड्डी में चोट, कुछ दवाओं या उम्र बढ़ने के कारण हो सकता है।

संरचनात्मक असामान्यताएं - यह असामान्यताएं वृषण को नुकसान पहुंचाती हैं या अवरुद्ध करती हैं, नलिकाएं जो परिपक्व शुक्राणु या अन्य प्रजनन संरचनाओं को ले जाती हैं।

अविकसित, अवरोही, या डैमेज वृषण।

अंत में हम इस निष्कर्ष में पहुंचते हैं कि इतनी सारी समस्याओं के कारण निःसंतानता जैसी समस्या पैदा होती है यदि इस सभी परेशानियों को समय रहते ध्यान दे लिया गया अर्थात् समय से उपचार हो गया तो हम निःसंतानता के खिलाप जंग जीतने में कामयाब होंगे।

यह सभी जानकारी आशा आयुर्वेदा की निःसंतानता विशेषज्ञ डॉ चंचल शर्मा से खास बातचीत के दौरान प्राप्त हुई है। यदि आप भी निःसंतानता जैसी समस्या से परेशान हैं तो आशा आयुर्वेदा में संपर्क करें।

About the Author

## Dr. Chanchal Sharma

Author & Consultant

**Dr Chanchal Sharma** based in Rajouri Garden in Delhi, practices authentic Ayurveda. Her qualification includes Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery (BAMS), DGO, MD- AM, D-Certificate Course in Panchakarma, infertility.

Disclaimer : The views expressed by the author in this feature are entirely her / his own and do not necessarily reflect the views of INVC NEWS.

URL :

<https://www.internationalnewsandviews.com/know-from-dr-chanchal-sharma-when-you-will-get-freedom-from-childlessness/>



12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

---

[www.internationalnewsandviews.com](http://www.internationalnewsandviews.com)